वर्ष 12 अंक 11

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

नवंबर 2020

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
हर्बल हैंड सेनिटाइजर का विमोचन	01
पेटेन्ट	01
संविधान दिवस	01
महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	02
प्रदर्शनी	03
कार्यशालाएं / बैठकें / वेबीनार	03
प्रशिक्षण	05
प्रकृति कार्यक्रम	06
समझौता ज्ञापन	06
परामर्श	07
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	07
मानव संसाधन समाचार	07

व.आ.वृ.प्र.सं. के हर्बल हैंड सेनिटाइजर का विमोचन

व.आ.वृ.प्र.सं. कोयम्बत्तूर ने *यूकेलिप्टस ग्लोबलस* (यूकेलिप्टस), *प्लेक्ट्रैन्थस एम्बायनिकस* (करपूरवल्ली), *लैंटाना कमारा* एवं *सिम्बोपोगोन सिट्रेटस* (लेमन ग्रास) पादपों जोकि पादपरासायनिक गुणों से समृद्ध हैं तथा महत्वपूर्ण सूक्ष्मजीवीरोधी गतिविधियां रखते हैं, की पत्तियों के अर्क को आइसोप्रोपाइल अल्कोहल, जल तथा ग्लिसरॉल के साथ समान अनुपात मिलाकर एक हर्बल हैंड सेनिटाइजर का सूत्रीकरण किया है जो कि अधिकतम् (90-99%) रोगाणुओं को खत्म कर देता है। यह हैंड सेनिटाइजर प्राकृतिक, हानिरहित, और त्वचा के लिए सुरक्षित है तथा हाथ को मुलायम और तरोताजा रखता है। व.आ.वृ.प्र.सं. के हर्बल हैंड सेनिटाइजर के लिए ट्रेड मार्क आवेदन दाखिल कर दिया गया है। इस उत्पाद को "कोविड–19 महामारी के प्रतिरोध हेतु समाधान खोजने में वैज्ञानिकों और वैज्ञानिक उद्यमों की भूमिका" सेमिनार में 25 नवंबर 2020 को विमोचित किया गया।

व.आ.वृ.प्र.सं. के हर्बल हैंड सेनिटाइजर का विमोचन

पेटेन्ट

व.अ.सं. देहरादून द्वारा 25 नवंबर 2020 को एक पेटेन्ट नामतः *"पाइनस रॉक्सबर्घाई* (चीड़ पाइन) सूचिकाओं से प्राकृतिक तन्तु और निर्माण की प्रक्रिया" आवेदित किया गया है जिसका आवेदन क्रमांक 202011051242 है।

संविधान दिवस 2020

भा.वा.अ.शि.प. एवं उसके संस्थानों ने डॉ भीमराव अंबेडकर के विचारधारा को भारत के जन–जन तक पहुँचाने के लिए 26 नवंबर 2020 को संविधान दिवस मनाया।

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- क्षेत्रीय किस्म परीक्षण समिति (आरवीटीसी) ने व.अ.सं. देहरादून द्वारा विकसित नीम की छः किस्मों को व्यावसायिक निर्मुक्ति के लिए अनुशंसित किया है। अनुशंसा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली को भेजी जा चुकी है।
- ढालूवाला (हरिद्वार) एवं फतेहपुर पीलियो (सहारनपुर) में प्रायोगिक स्थलों की तैयारी और गेंहू कृषि फसल की बुआई की गई। ढालूवाला मजबाता (हरिद्वार) एवं फतेहपुर पीलियो (सहारनपुर) से तिल–खरीफ फसल उत्पाद को अभिलिखित किया गया। ढालूवाला (हरिद्वार) एवं फतेहपुर पीलियो (सहारनपुर) प्रायोगिक स्थलों पर *जी आर्बोरिया* एवं *ई,. ऑफिसिनॉलिस* के वृद्धि आंकड़ों व खरीफ फसल उपज का संकलन एवं सारणीयन किया गया। उपर्युक्त स्थलों पर *जी आर्बोरिया* एवं *ई,. ऑफिसिनॉलिस* रोपणों का अनुरक्षण एवं अनुश्रवण प्रगति पर है।
- ढालूवाला (हरिद्वार) में प्रायोगिक स्थल की तैयारी एवं गेंहू कृषि फसल की बुआई की गई। ढालूवाला मजबाता (हरिद्वार) स्थल में तिल–खरीफ फसल उपज को अभिलिखित किया गया। उपर्युक्त स्थलों पर कचनार, भीमल एवं कदम के रोपणों का अनुरक्षण एवं अनुश्रवण प्रगति पर है।
- रेशा निष्कर्षण के लिए भीमल की टहनी की सतह से चिन्हीकरण और पृथक्करण हेतु जीवाणु के लिए पोषक अगर का तिर्यक निर्माण किया गया। आगे के परीक्षणों हेतु जीवाणु की वृद्धि को प्रेक्षण के तहत रखा गया है। भीमल रेशे के रासायनिक गुणस्वभाव का निर्धारण करने के लिए प्रयोगशाला में प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। भीमल रेशे के रासायनिक गुणस्वभाव का निर्धारण करने हेतु प्रतिदर्श प्रक्रियाधीन हैं।
- *बाइजोंगिया पिस्टासेई* के शीत अलैंगिक चरण के पालन–पोषण के लिए गमलों और पेट्री तश्तरियों में वैकल्पिक पोषी की बुआई की गई जो कि *पिस्टेसिया इंटीगर्रीमा* पर पर्ण श्रृंगी पिटिका बनाता है।
- देहरादून (थानों, बड़कोट, लच्छीवाला, आसारोड़ी, काड़पानी, तिमली आरक्षित वन) एवं हरिद्वार (झिलमिल झील आरक्षित वन) जिलों के तीन वन उप प्रकारोः 3C/C2a नम शिवालिक साल वनों 5B/C1a शुष्क मिश्रित शिवालिक साल वन और 5B/C2 उत्तरी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वनों में मानसून के बाद के मौसम के दौरान तितलियों के लिए एक क्षेत्र सर्वे किया गया। 3 निदर्शों सहित 9 ट्रांसेक्ट में 83 प्रजातियों को प्रतिदर्शित किया गया।
- देहरादून जिले के चकराता वन प्रभाग, देवबन में खारसू ओक वन का एक क्षेत्र सर्वे किया गया। खारसू ओक वृक्षों का वेधक ग्रसन हेतु अनुश्रवण किया गया। वेधक ग्रसित खारसू ओक के दो कुन्दों को लार्वा चरण में जीवन चक्र पर परीक्षण हेतु प्रयोगशाला में लाया गया। क्षेत्र से एकत्रित *क्वार्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा* पर्ण समूह बन ओक पर भक्षण करने वाले लाइमैन्ट्रिड निष्पत्रक की एक प्रजाति के जीवन चक्र पर परीक्षण किया गया।
- दराज संख्या 60,66,99 एवं 136 में 51 प्रजातियों की 104 तस्वीरों को संपादित एवं संपीडित किया गया। संग्रह में पूर्व में प्रत्येक प्रजाति के भौतिक सत्यापन करने के पश्चात बनाई गई सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर दराज 72 (आंशिक) से 84 (आंशिक) में 2105 अनुक्रमों/प्रजातियों के आंकड़ा संचय अभिलेखों को संशोधित किया गया। एक्शेल शीट में कीटों के अद्यतित फोटो को अभिलेखित किया गया। आठ प्रजातियों की फोटो फाइलों को नए अनुक्रम आबंटित किये गये या बदले गए।
- प्रयोगशाला में दस पापलर कृंतकों के लिए पत्र निष्पत्रक *क्लोस्टेरा क्यूप्रियाटा* के विरूद्ध कृंतकीय प्रतिरोध स्क्रीनिंग के लिए परीक्षण किया गया। भक्षण का विकल्प परीक्षण संचालित किया गया। पर्ण उपभोग क्षेत्र मापनपरिगणन किया गया।
- पौड़ी गढ़वाल, बागेश्वर और अल्मोड़ा जिलों के कुछ हिस्सों के क्षेत्रों, रोपणों और वन क्षेत्रों में टेरोमैलिड परजीव्याभों के संग्रह हेतु सर्वेक्षण किया गया। न्यू फॉरेस्ट, व.अ.सं. से पर्ण पिटिका, तना पिटिका एवं पर्ण सुरंगक के प्रतिदर्श भी एकत्रित किए गए और प्रयोगशाला में पालन–पोषण किया गया।
- मानसून पश्चात मौसम में उत्तराखंड के देहरादून के शिवालिक रेंज (आशारोड़ी, मोहंड, काड़पानी और तिमली) तथा हरिद्वार (झिलमिल झील) जिलों में शलभों के प्रतिदर्शीकरण हेतु एक क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया। प्रत्येक दिन रात्रि 7 से 10 बजे तक प्रकाश एवं शलभ जालियों का प्रयोग कर शलभों को प्रतिदर्शित किया गया। उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती वन एवं उत्तरी उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वनों से कुल 5 कुलों की 31 प्रजातियों को प्रतिदर्शित और चिन्हित किया गया।
- *कैसिया एंगुस्टिफोलिया* की पत्तियों से प्राप्त प्राकृतिक रंगों से रंगे और विभिन्न धात्विक और हर्बल रंगबंधकों के साथ रंगबंधित ऊन तथा रेशमी तंतुओं का स्पेक्ट्रोफोटोमेट्रिक विश्लेषण किया गया

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- जोधपुर के न्यायिक अकादमिक क्षेत्र में कुल 250 शुष्क जोन वृक्ष पौध को लगाया गया।
- सालावास (जोधपुर) के उपचार संयंत्र से एकत्र किए गए उपचारित अपशिष्ट जल का प्रयोग 2013–14 से 2016–17 के दौरान 4 वर्ग मीटर क्षेत्र के लाइसीमीटर में रोपित नवोद्दिदों की सात प्रजातियों की सिंचाई करने में किया गया। सितंबर 2017 में पौधों की कटान के पश्चात टंकियों को प्राकृतिक प्रक्रियाओं के लिए परित्यक्त कर दिया गया।
- अपशिष्ट निपटान वाले क्षेत्र में जहां शुष्क बायोमास 0.42 किलोग्राम प्रति वर्ग मीटर से 0.68 किलोग्राम प्रति वर्ग मीटर तक परिवर्तित था, 36 शाकीय प्रजातियां दर्ज की गईं।

उपचारित अपशिष्ट जल अनुप्रयुक्त टंकियों (84) के साथ–साथ बिना किसी उपचार के 6 अतिरिक्त टैंकों में पुनर्जीवित शाकीय प्रजातियों का मूल्यांकन अक्टूबर 2020 में किया गया था। इन टैंकों में 37 शाकीय प्रजातियां और पेड़ के नवोद्भिद दर्ज किए गए थे। अपशिष्ट जल

निपटान टैंकों के प्रति सहिष्णु प्रजातियां *कोलोफोस्पर्मम मोपेन, सेन्क्रस बाइफ्लोरस, वर्नोनिया सिनेरिया, पेर्गुलरिया डेमिया, टेफ्रोसिया पुरपुरिया, एराग्रोस्टिस सिलियारिस, डैक्टिलोक्टेनियम सिंडिकम, प्रोसोपिस जूलिफ्लोरा* आदि थीं।

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

- *यूकेलिप्टस टेरिटिकोर्निस* और *ई. कमलडुलेंसिस* कृंतकों में जीवाण्विक अंतःपादपी की विविधता सूखा प्रभावित की विषम प्रतिक्रिया के साथ बैक्टीरिया 16S rRNA जीन के V3-V4 क्षेत्र को अनुक्रमित करके प्रलेखित की गयी। विश्लेषण ने प्रदर्शित किया कि *ई. कमलडुलेंसिस* और तनाव के प्रति संवेदनशील कृंतकों में जीवाण्विक प्रचुरता एवं विविधता ज्यादा थी। इसके अतिरिक्त, वर्गीकीय और कार्यात्मक जैवचिन्हक दर्ज किए गए तथा सूखा सहिष्णु कृंतकों को *ओस्सिलिबैक्टर* प्रजाति से समृद्ध किया गया। निष्कर्ष, *यूकेलिप्टस* के पत्तों में अंतःजीवी विविधता की एक अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं और सूखा प्रभावित अनुक्रियाशील *यूकेलिप्टस* कृंतकों में अंतःजीवी बहुतायत को दस्तावेज करने के बारे में प्रथम रिपोर्ट है।

छह *यूकेलिप्टस* कृंतकों की पत्तियों में जीवाण्विक फाइला की सापेक्ष प्रचुरता

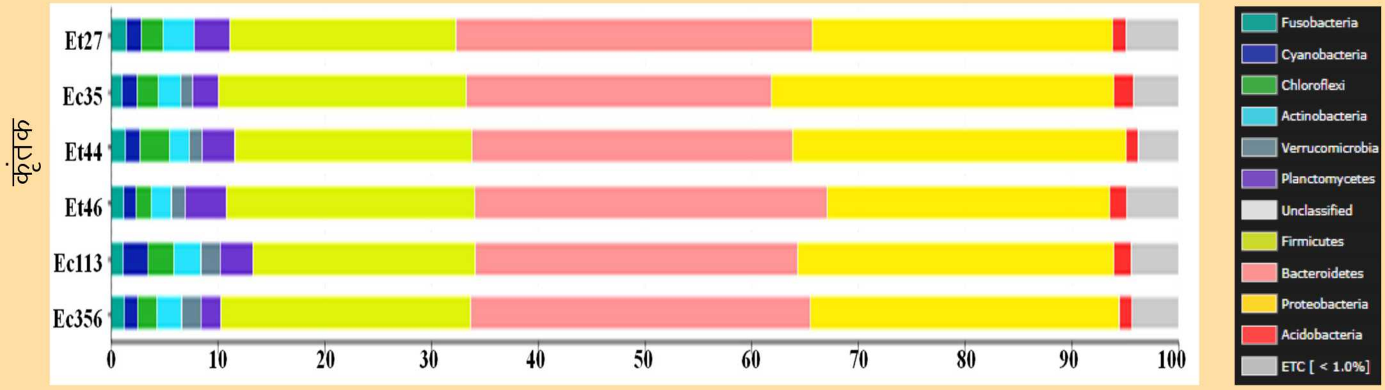

प्रदर्शनी

संस्थान	भाग लिया	अवधि	स्थान
व.व.अ.सं., जोरहाट	उत्तर पूर्व हरित समिट, पांचवां संस्करण	16 से 18 नवंबर 2020	विबग्योर एनई फाउंडेशन एवं भा.प्रौ.सं.. गुवाहाटी

व.व.अ.सं. जोरहाट ने उत्तर पूर्वी ग्रीन समित के पाँचवे संस्करण में हिस्सा लिया।

कार्यशालाएं/बैठकें/वेबीनार

क्र.सं.	विषय	अवधि	लाभार्थी
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून			
1.	वन आधारित प्रौद्योगिकियों एवं उत्पादों का अन्वेषण	25 नवंबर 2020	उद्यमी, राज्य वन विभाग, गैर सरकारी संस्थाएं, स्वंय सहायता समूह एवं अन्य हितधारक

	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
2.	काष्ठ रूपांतरण प्रौद्योगिकियां	19 नवंबर 2020	काष्ठ आधारित उद्योग, वन निगम, अनुसंधानकर्ता, वनपाल, वास्तुकार एवं विद्यार्थी
	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
3.	REDD+ के लिए सुरक्षा सूचना प्रणाली	3 नवंबर 2020	राजस्थान एवं गुजरात के वनाधिकारी, प्रगतिशील किसान, स्वंय सहायता समूह, विश्वविद्यालय कार्मिक एवं अधिकारी, शु.व.अ.सं. जोधपुर के वैज्ञानिक एवं मुख्य तकनीकी अधिकारी
4.	वरिष्ठ वन अधिकारी कॉन्फ्रेंस तेलंगाना राज्य वन विभाग	17 नवंबर 2020	वरिष्ठ वनाधिकारी

REDD+ हेतु सुरक्षा सूचना प्रणाली पर कार्यशालाा

	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
5.	उत्तर पश्चिमी हिमालय में गुणवत्तापूर्ण रोपण स्टॉक के उत्पादन और क्षेत्र उत्तरजीविता की वृद्धि के लिए वानिकी में आधुनिक नर्सरी तकनीकों का अनुप्रयोग	3 नवंबर 2020	वैज्ञानिकों, उप वन संरक्षकों, तकनीकी अधिकारियों सहित संस्थान के अन्य अनुसंधान कार्मिक

उत्तरी पश्चिमी हिमालय में गुणवक रोपण स्टॉक के उत्पादन तथा क्षेत्र उत्तरजीविता में वृद्धि हेतु वानिकी में आधुनिक नर्सरी तकनीकों का अनुप्रयोग पर सेमिनार

	वन अनुसंधान केंद्र–तटीय पारिस्थितिकी, विशाखापत्तनम		
6.	पूर्वी घाट की संकटापन्न प्रजातियों का संरक्षण	10 नवंबर 2020	अधिकारी एवं वैज्ञानिक

प्रशिक्षण

क्र.सं.	विषय	अवधि	हितधारक
	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
1.	भारतीय चंदनकाष्ठ पर मास्टर प्रशिक्षक	23 से 27 नवंबर 2020	भा.वा.अ.शि.प. के अनुसंधान एवं तकनीकी कार्मिक
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
2.	आगरकाष्ठ का संरोपण *(एक्यूलेरिया मलेक्सिनसिस)*	4 से 8 नवंबर 2020	पश्चिम बंगाल वन विभाग
3.	बांस चारकोल उत्पादन एवं ब्रिकेटिंग	13 नवंबर 2020	जिला कार्बीआंगलॉग, आसाम के ग्रामीण

ब्रिकेट्टिंग तथा बांस चारकोल उत्पादन पर प्रशिक्षण

	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
4.	समशीतोष्ण औषधीय पादपों का विदोहन	8 नवंबर 2020	लाहौल घाटी के विभिन्न गांवों के प्रगतिशील किसान
5.	जुनीपेरस पॉलीकार्पस की पौधशाला और वृक्षारोपण तकनीकें और महत्वपूर्ण समशीतोष्ण औषधीय पौधों की खेती	10 नवंबर 2020	लाहौल घाटी के विभिन्न गांवों के प्रगतिशील किसान एवं लाहौल वन प्रभाग के अग्र पंक्ति कार्मिक

6.	चिलगोजा के संरक्षण और इस के स्थायी प्रबंधन की आवश्यकता	29 और 30 नवंबर 2020	पूह वन रेंज, किन्नौर के डबलिंग पंचायत तथा स्पीलो पंचायत के किसान

चिलगोजा के संरक्षण और इस के स्थायी प्रबंधन की आवश्यकता पर प्रशिक्षण

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

7.	नेटवर्किंग और हार्डवेयर रखरखाव	25 से 27 नवंबर 2020	भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के तकनीकी कार्मिक

वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

8.	तकनीकी कार्मिकों के लिए वानिकी में अनुसंधान प्रविधि तथा सांख्यिकीय उपकरण	19 और 20 नवंबर 2020	तकनीकी कार्मिक

प्रकृति कार्यक्रम

- व.अ.सं., देहरादून ने 28 नवंबर 2020 को केंद्रीय विद्यालय एएफएस बरेली, यूपी के छात्रों के लिए "मेघालय की सांस्कृतिक विरासत और वानिकी" पर प्रकृति कार्यक्रम के तहत एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने 10 नवंबर 2020 को प्रकृति कार्यक्रम के तहत "वन और जलवायु परिवर्तन" पर ऑनलाइन ज्ञान श्रृंखला का आयोजन किया। कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय के 100 छात्रों ने भाग लिया।

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने वन एवं जलवायु परिवर्तन पर एक ऑनलाइन ज्ञान व्याख्यानशाला आयोजित की

समझौता ज्ञापन

- उद्योगों में विभिन्न पेशों के तहत नौकरी की भूमिकाओं हेतु कौशल विकास केंद्रों का निर्माण करने के लिए और प्रशिक्षण केंद्रों के मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण और प्रशिक्षण केंद्रों की मान्यता हेतु का.वि.प्रौ.सं. और फर्नीचर एंड फिटिंग्स स्किल कौन्सिल के बीच 10 नवंबर 2020 को निदेशक का.वि.प्रौ.सं. द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- भा.वा.अ.शि.प. (व.आ.वृ.प्र.सं. के द्वारा प्रतिनिधित्व) एवं तमिलनाडु तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के वन विभागों के मध्य संबंधित राज्य वन विभागों के अनुमोदन हेतु एक समझौता ज्ञापन का सूत्रपात एवं अनुगमन किया गया।

परामर्श

भा.वा.अ.शि.प. वर्तमान में दस परामर्श परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है जो टिहरी हाइड्रो विकास कार्पोरेशन भारत लि.; हिमाचल प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन लि.; कर्नाटक राज्य आधिकारिक प्राधिकारीय प.व.ज.प.मं. भारत सरकार, नई दिल्ली, कोल इंडिया लि.; कोलकाता, एनटीपीसी लि.; नोएडा, एनएमडीसी लि.; हैदराबाद, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि.; कोठागुदम, छत्तीसगढ़ वन विभाग, रायपुर, वन एव पर्यावरण विभाग, भुवनेश्वर, द्वारा प्रदत्त की गई हैं। ये परियोजनाएं पर्यावरण के किसी न किसी पहलू से संबंधित हैं।

जारी परामर्श परियोजना के तहत महीने के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां की गईं :

- सरगुजा, छत्तीसगढ़ के जैवविविधता आकलन अध्ययन से संबंधित कार्यरत समूह की बैठक की गई।
- उत्तराखंड के चमोली जिले में विष्णु पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना के तहत उत्तराखंड वन विभाग द्वारा की गई सीएटी योजना गतिविधियों की निगरानी पर 7वीं तीसरी पैटी अनुश्रवण रिपोर्ट के लिए क्षेत्र आंकड़े एकत्र किये गए और टीएचडीसीआईएल को प्रस्तुत करने के लिए रिपोर्ट संकलन किया गया।
- कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की ओपन कास्ट कोयला खदान के लिए पर्यावरणीय निष्पादन अनुक्रमण (ईपीआई) के विकास के लिए मानकीकरण दृष्टिकोण और प्रविधि पर रिपोर्ट में संशोधन किया गया और तदनुसार सीआईएल, कोलकाता को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- उ.व.अ.सं. जबलपुर ने नर्सरी तकनीकों, जैविक खाद तैयार करने के तरीके और उनका अनुप्रयोग, पादप जैवपीड़कनाशी तैयार करने के तरीके और उनकी अनुप्रयोग विधियां, वनस्पति सामग्री से वसायुक्त तेल और सगंध तेल निष्कर्षण तकनीकें, विभिन्न अकाष्ठ वन उत्पादों की सतत विदोहन तकनीकें, मिट्टी के नमूनों में कार्बनिक कार्बन सामग्री के लिए विश्लेषणात्मक विधि, आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पौधों की प्रजातियों की क्षेत्र पहचान का प्रदर्शन करने के लिए कृषि विज्ञान स्कूल, सौसर, छिंदवाड़ा के बीएससी (ऑनर्स) कृषि छात्रों के लिए 24 नवंबर से 1 दिसंबर 2020 तक प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।
- वन आनुवंशिक संसाधन एवं वृक्ष सुधार पर व.आ.वृ.प्र.सं. कोयम्बत्तूर में एनविस संसाधन सहयोगी ने 13 नवंबर 2020 को हरी दीवापली के मनाए जाने के अवसर पर कोविड 19 के प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन करने से संबंधित संदेश के प्रसार के लिए एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री सुशांत कुमार, भा.व.से., उ.व.सं., व.अ.सं., देहरादून	26.11.2020

संप्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री एन.सी. सरवणन, भा.व.से., सचिव, भा.वा.अ.शि.प.	10.11.2020

सेवानिवृत्ति/स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना

अधिकारी का नाम	तिथि
डॉ. ए.के. पाण्डेय, वैज्ञानिक – 'जी', व.अ.सं., देहरादून तथा सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून	30.11.2020
डॉ. जी.आर.एस. रेड्डी, वैज्ञानिक – 'जी', व.जै.सं., हैदराबाद	30.11.2020
श्री राजेश्वर सिंह, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, व.अ.सं., देहरादून	17.11.2020

सरंक्षक:
श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून
संपादक मंडल:
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार), सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हुए।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।